जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 16 | संख्याः 343 | प्रभात | चूरू, शनिवार 12 अप्रैल, 2025 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

ए.आई.सी.सी. डैलीगेट्स निराश रहे कि पार्टी के ''रिवाइवल'' के लिये कोई ठोस कार्यक्रम प्रस्तुत नहीं हुआ

डैलीगेट्स को शिकायत रही कि कई राज्यों में संगठन मृत प्रायः है, ब्लॉक स्तर से ऊपर तक पदाधिकारी नियुक्त नहीं किये गये हैं तथा विधानसभा व लोकसभा के चुनाव भी हो गये, पर, संगठन में पद खाली के खाली हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- डैलीगेट्स को यह शिकायत है कि संगठन के सारे निर्णय केवल एक समूह ले रहा है, जो राहुल गांधी के नज़दीक होने का दावा करता है। इस समूह का नेतृत्व, के.सी. वेणुगोपाल कर रहे हैं।
- उदाहरण के लिये, पंजाब के प्रभारी आलोक शर्मा ने हाईकमान के समक्ष जानकारी प्रस्तुत की कि पंजाब के प्रदेशाध्यक्ष राजा वड़िंग सक्रिय नहीं हैं तथा पंजाब की पूर्ण इकाई उनके खिलाफ है।
- पर, जैसे ही ए.आई.सी.सी. के सत्र के बाद, राहुल गांधी रणथम्भौर के लिये प्रस्थान कर गये, आलोक शर्मा को पंजाब के प्रभारी के पद से हटा दिया गया।
- ऐसा कहा जा रहा है कि यह निर्णय के.सी. वेणुगोपाल व मल्लिकार्जुन खड़गे की पहल पर लिया गया है तथा राहुल गांधी को पूरा व अंधा विश्वास है, वेणुगोपाल पर।

नई दिल्ली, 11 अप्रेल। एआईसीसी का अहमदाबाद अधिवेशन एक ऐसे संगीन और निर्णायक समय पर आयोजित हुआ है, जब कांग्रेस को आगामी समय में अनेक विवेचनात्मक एवं संकटपूर्ण मुद्दों पर अपने विचारों और स्थितियों की धार तेज करनी पड़ेगी।

पार्टी के बहुत से नेताओं और कार्यकर्ताओं को इससे निराशा हुई है कि कांग्रेस पार्टी ने संगठन में नये प्राण फूंकने की आवश्यकता पर न तो कोई विशेष जोर ही दिया गया और न गहन चर्चा की। अधिवेशन में एकत्र हुये प्रतिनिधिगण चाहते थे कि संगठन पर विशेष रुप से ध्यान दिया जाये, पूरा फोकस किया जाये। विभिन्न राज्यों के एआईसीसी सदस्यों ने साफ तौर पर स्वीकार किया कि उनके राज्यों में, संगठन मृतप्राय स्थिति में है, ब्लॉक स्तर से ऊपर के पदाधिकारियों की नियुक्तियाँ नहीं हुई हैं तथा पार्टी पदाधिकारियों की नियुक्ति के बिना ही, पार्टी ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़े हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे संगठन को पुनर्व्यवस्थित करने तथा उसमें नई जान डालने की आवश्यकता पर बोले थे, और यही एकमात्र बिन्दु था, जिसने वहाँ एकत्रित प्रतिनिधियों में एक नई ऊर्जा और नवीन उत्साह का संचार किया था।

लेकिन राहुल गांधी का भाषण बहुत से प्रतिनिधियों के लिये निराशाजनक सिद्ध हुआ।

राहुल की सोच पर सवार जातिगत जनगणना का अतिरेक, तथा नरेन्द्र मोदी, अडानी और अम्बानी पर राहुल के प्रहार एवं तेवर, राहुल के भाषणों में अनेक बार सुने- देखे जा चुके हैं। लेकिन जिला अध्यक्षों को सशक्त करने तथा उन्हें और ज्यादा अधिकार देने के अलावा, संगठन के बारे में उनके भाषण में और कुछ खास नहीं था।

अनेक प्रतिनिधियों का कहना था कि संगठन को पुनर्व्यवस्थित करने तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'सेवारत शिक्षकों को भी एलएलबी परीक्षा में शामिल करें'

जयपुर, 11 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने विभाग की अनुमति लेकर एलएलबी पाठ्यक्रम में शामिल हुए शिक्षकों को 16 अप्रैल से आरंभ हो रही एलएलबी परीक्षा में शामिल करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही अदालत ने गोविंद गुरु ट्राइबल विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा के वीसी और परीक्षा नियंत्रक से जवाब तलब किया है। जस्टिस दिनेश मेहता की एकलपीठ ने यह आदेश जगदीश चन्द्र व्यास व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- हाई कोर्ट ने गोविन्द गुरु विश्वविद्यालय बांसवाड़ा को निर्देश दिये।

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता राजकीय विद्यालयों में शिक्षक पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने विभाग के विभिन्न परिपत्रों और आदेशों के अनुसरण में गोविंद गुरु ट्राइबल विश्वविद्यालय से एलएलबी करने के लिए शिक्षा विभाग में आवेदन कर अनुमति मांगी। विभाग ने याचिकाकर्ताओं को सांध्यकालीन कक्षाओं की अनुमति देते हुए एलएलबी पाठ्यक्रम करने की छूट दे दी। इसके चलते याचिकाकर्ता ने अपनी ड्यूटी के बाद कक्षाओं में शामिल होकर एलएलबी की पढाई की और उनकी कक्षा में उपस्थिति भी पूर्ण रही। वहीं गत वर्ष उन्होंने एलएलबी प्रथम वर्ष की परीक्षा भी पास कर ली है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राणा का ''एक्स्ट्राडिशन'' भाजपा की चाल है अपनी सरकार की कमियों से ध्यान हटाने के लिये'

कन्हैया कुमार की इस टिप्पणी पर महाराष्ट्र में कांग्रेस के गठबंधन के साथी शिव सेना (यूबीटी) ने भारी आपत्ति जताई

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- शिव सेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि कन्हैया कुमार को ध्यान रखना चाहिए कि वे क्या कह रहे हैं। चतुर्वेदी के अनुसार, राणा का प्रत्यर्पण (एक्स्ट्राडिशन) एक स्वागत योग्य व प्रशंसनीय घटना है तथा राणा को मुम्बई के प्रमुख चौराहे पर सूली पर लटकाना चाहिये, आतंकवादियों को संदेश देने के लिए। प्रियंका चतुर्वेदी ने आशा भी व्यक्त की कि भारत सरकार डेविड कोलमैन हैडली को भी ''एक्स्ट्रडाइट'' कराकर भारत लायेगी।
- शिव सेना (यूबीटी) के प्रवक्ता, संजय राउत ने भी इस लय में टिप्पणी की, पर, यह जरुर जोड़ा कि भाजपा बिहार चुनाव से पूर्व राणा को फांसी देकर राजनीतिक लाभ लेना चाहेगी।
- कांग्रेस जरुर यह दावा कर रही है कि मनमोहन सिंह की सरकार के डेढ़ दशक की इन्टैलिजैंस व कानूनी मशक्कत का नतीजा है कि राणा को भारत सरकार, भारत ला सकी तथा राणा के ''एक्स्ट्रडिशन'' में भाजपा सरकार की कोई भूमिका नहीं है और न ही प्रत्यर्पण भाजपा सरकार के श्रम का फल है।

नई दिल्ली, 11 अप्रेल। मुंबई आतंकी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण (एक्स्ट्राडिशन) ने महाराष्ट्र का राजनीतिक संतुलन बिगाड़ दिया है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार की इन टिप्पणियों पर आपत्ति जताई है कि राणा का प्रत्यर्पण भाजपा की चाल है, सरकार की असफलताओं से ध्यान हटाने की।

एन.सी.पी. के साथ-साथ शिवसेना यूबीटी और कांग्रेस पार्टी महाराष्ट्र में गठबंधन सहयोगी हैं।

कुमार की टिप्पणियों को ''दुर्भाग्यपूर्ण और निराशाजनक'' बताते हुए चतुर्वेदी ने राणा के प्रत्यर्पण को एक बहुत बड़ी उपलब्धि बताया और कहा कि कन्हैया कुमार को ''ध्यान देना चाहिए कि वे क्या बोल रहे हैं।'' चतुर्वेदी ने कहा कि तहव्वुर राणा को तो मुंबई के प्रमुख चौराहे पर फांसी पर लटका देना चाहिए। जिससे आतंकवादियों को संदेश मिले।'' उन्होंने आगे कहा, वे उम्मीद करती हैं कि भारत सरकार अब डेविड कोलमैन हैडली के प्रत्यर्पण की मांग भी करेगी। एक वक्तव्य में, चतुर्वेदी ने कहा, ''राणा की वापसी प्राथमिकता थी, न कि ध्यान भटकाने की कोई चाल।'' चतुर्वेदी ने मांग की कि कन्हैया कुमार अपना वक्तव्य वापस लें।''

शिव सेना-यूबीटी प्रवक्ता संजय राउत ने अधिक सूक्ष्म रूख अपनाया। उन्होंने कहा, वर्ष के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों से पहले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई की इस्तीफे की खबर पाने के बाद ही अन्नाद्रमुक नेता प्रेस कॉन्फ्रैंस के लिये रवाना हुए

अमित शाह व अन्नाद्रमुक के पूर्व मु.मंत्री पलानीस्वामी ने प्रैस कॉन्फैंस में दोनों पार्टियों के गठबंधन की घोषणा की

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- अमित शाह ने एलान किया कि यह गठबंधन स्थायी होगा तथा पलानीस्वामी इस गठबंधन के मुखिया होंगे।
- अमित शाह ने भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अन्नामलाई की भूरी-भूरी प्रशंसा की और विश्वास दिलाया कि पार्टी अन्नामलाई की प्रतिभा व अनुभव का राष्ट्रीय स्तर पर उपयोग करेगी।

नई दिल्ली, 11 अप्रेल। जैसा कि पिछली रिपोर्टों में संकेत दिया जाता रहा है, भारतीय जनता पार्टी और ऑल इंडिया द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, राज्य सरकार से ''भ्रष्ट द्रमुक'' को बाहर करने के लिये, में फिर से गठबंधन हो गया है।

अन्नाद्रमुक अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री इडापल्ली पलानीस्वामी की उपस्थिति में खास तौर से बुलाई गई प्रैस कॉन्फ्रैंस में गठजोड़ की घोषणा करते हुये, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह एक स्थायी तथा ऐसा गठबंधन है, जो भ्रष्ट द्रमुक को राज्य की सत्ता से बाहर कर देगा।

लेकिन ये दोनों राजनैतिक दल, जिनका पहले भी गठजोड़ था, का एक साथ आना तभी संभव हुआ है, जबकि अन्नामलाई तमिलनाडु भाजपा इकाई के अध्यक्ष पद से हट गये हैं।

गठबंधन की घोषणा के समय, राज्य भाजपा इकाई के नये तथा तेरहवें अध्यक्ष के रूप में नागेन्द्रन नैनार का ''चुनाव'' कमोबेश अंतिम रूप ले चुका था, क्योंकि वे राज्य भाजपा इकाई के अध्यक्ष पद के लिये नामांकन पत्र दाखिल करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। वे अन्नाद्रमुक सरकार में मंत्री रह चुके हैं तथा इस समय राज्य विधानसभा में भाजपा दल के नेता हैं।

अन्नाद्रमुक सूत्रों के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष इडापल्ली पलानीस्वामी ने प्रैस कॉन्फ्रैंस स्थल तभी सुनिश्चित किया, जब यह स्पष्ट हो गया कि अब भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष कोई नया व्यक्ति होगा। अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों के लिये भाजपा के साथ गठजोड़

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आत्महत्या के लिए उकसाने वाले पति को दस साल की सजा

जयपुर, 11 अप्रैल। महिला उत्पीड़न मामलों की विशेष अदालत, महानगर द्वितीय ने दो बेटियों को जन्म देने के कारण पत्नी को प्रताड़ित करने तथा उसे अपनी चार साल की बेटी की हत्या कर स्वयं आत्महत्या करने के लिए उकसाने वाले अभियुक्त पति मुकेश निठारवाल को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी आशुतोष कुमावत ने अपने आदेश में कहा कि आज के युग में कई क्षेत्रों में लड़कियां, लड़कों की तुलना में अच्छा

- दो बार पुत्रियों के जन्म के बाद अभियुक्त ने अपनी पत्नी को इतना प्रताड़ित किया कि उसने 4 साल की बेटी के साथ आत्महत्या कर ली।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी को दूसरे दिन भी टाइगर दिखा

रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान के प्रवेश द्वार पर उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ फोटो खिंचवाई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों निजी यात्रा पर रणथंभोर में हैं। शुक्रवार सुबह उन्होंने टाइगर सफारी का लुत्फ लिया। गुरुवार को भी उन्हें टाइगर की अठखेलियां दिखाई दीं, जिसकी उन्होंने खूब तस्वीरें लीं।

सवाईमाधोपुर, 11 अप्रेल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सवाईमाधोपुर की यात्रा पर हैं। उन्होंने शुक्रवार को भी सुबह की पारी में विश्व प्रसिद्ध रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान का भ्रमण किया और बाघ बाघिन की अठखेलियों का आनंद लिया।

उन्होंने रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान के प्रवेश द्वार पर कांग्रेस कार्यकर्ता छुटन मीणा के साथ फोटो भी खिंचवाई। मीणा सवाईमाधोपुर गणेशधाम पर रणथम्भौर के टी शर्ट, कैप व हैंडीक्रॉफ्ट बेचते हैं। शुक्रवार को सुबह राहुल गांधी रणथंभौर के ज़ोन 2 व ज़ोन 3 में टाइगर सफारी के लिए गए। ज़ोन 2 में बाघिन रिद्धी अपने शावकों के साथ नजर आई। ज़ोन 3 में बाघिन टी 84 ऐरोहेड अपने शावकों के साथ अठखेलिया करती हुी नज़र आई।

इससे पहले गुरुवार को भी राहुल गांधी ने सुबह -शाम दोनों समय टाइगर सफारी का आनंद लिया। गुरुवार सुबह ज़ोन 3 के गूलर वन में बाघिन सिद्धी अपने शावकों के साथ दिखाई दी, और शाम को ज़ोन 2 में बाघिन टी 84 ऐरोहेड शावकों के साथ अठखेलिया करती हुई दिखी। इसी दौरान शिवराज एनीकट वन में उन्हें एक बाघिन शावकों के साथ शिकार करती हुई नज़र आई। राहुल ने इसकी तस्वीरें ली।

राहुल गांधी की इस यात्रा को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। पार्क में उनके भ्रमण के दौरान सुरक्षा के चाक-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुलिस ने लाठी चार्ज व ''वॉटर कैनन का उपयोग किया, कांग्रेस के प्रदर्शन पर

कन्हैया कुमार को भी हिरासत में लिया, प्रदर्शन को मु.मंत्री नीतीश कुमार के निवास तक पहुँचने से रोकने के लिये

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- 16 मार्च से कन्हैया कुमार, कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पदयात्रा का नेतृत्व करते हुए गत बृहस्पतिवार को पटना पहुँचे थे।
- उनकी पदयात्रा का नारा था, ''पलायन रोको, नौकरी दो।'' पटना पहुँचकर पदयात्रा के दौरान जनता से मिले संदेशों को मु.मंत्री तक पहुँचाने के लिये वो मु.मंत्री निवास जा रहे थे।
- सचिन पायलट ने कन्हैया कुमार के प्रदर्शन को मु.मंत्री निवास के लिये रवाना होने से पूर्व संबोधित किया और कहा,''बिहार के युवाओं का बिहार सरकार के ऊपर से विश्वास उठ गया है तथा अब यह युवा तैयार है, बिहार सरकार को उचित जवाब देने के लिये।''

नई दिल्ली, 11 अप्रेल। बिहार पुलिस ने पटना में मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे कांग्रेसियों को रोकने के लिए उन पर लाठीचार्ज किया और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प भी हुई। इस घटना ने कांग्रेस, जो अपने संगठन को फिर से खड़ा करने की कोशिश में जुटी है, को एक मुद्दा थमा दिया है।

कांग्रेस के नेता कन्हैया कुमार व एनएसयूआई के अन्य नेताओं को प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार किया गया।

कन्हैया कुमार, जो एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी भी हैं, हज़ारों कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ ''पलायन रोको नौकरी दो'' यात्रा निकाली यात्रा 16 मार्च को शुरु हुई थी और विभिन्न जिलों में होते हुए गुरुवार को पटना पहुंची। उन्होंने मुख्यमंत्री से मिलने का समय मांगा, वे लोगों की तरफ से मुख्यमंत्री को ज्ञापन देना चाहते थे।

मुख्यमंत्री कार्यालय से मुलाकात का समय नहीं मिला तो कन्हैया कुमार ने मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन करने का निर्णय किया। शुक्रवार दोपहर बाद जैसे ही पार्टी नेता व कार्यकर्ता पार्टी मुख्यालय से निकले पुलिस ने उन्हें रोक दिया।

भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन का प्रयोग किया और कन्हैया कुमार तथा एनएसयूआई के अन्य नेताओं को गिरफ्तार कर लिया।

एक वायरल वीडियो क्लिप में डिटेन्शन में पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए कन्हैया कुमार ''हम होंगे कामयाब---'' गीत गाते हुए दिख रहे हैं।

कन्हैया ने कहा, ''जहाँ भी हम रहेंगे न्याय के लिए आवाज उठाएंगे चाहे सड़क पर हो, घर में हो या जेल में हो। अब सिर्फ दो ही संभावनाएं हैं या तो हमें मुख्यमंत्री से मिलने दिया जाए ताकि हमें उन्हें अपनी मांगे बता सकें या फिर हमे जेल भेज दिया जाए। जेल में भी हम अपनी आवाज़ उठाएंगे और मांगे बताएंगे।''

एक्स पर पोस्ट किए अपने संदेश में कुमार ने कहा, पुलिस युवाओं को पकड़ कर कोतवाली थाना ले गई पर उनकी आवाज नहीं दबा पाएगी।

मार्च से पूर्व कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट, बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार, एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरुण चौधरी, युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदयभान सिंह, पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत और कन्हैया कुमार ने एक प्रैस कॉन्फ्रैंस की।

उन्होंने कहा बिहार के युवा को अपने सपने पूरे करने के लिए दूसरे राज्यों में जाना पड़ता है राज्य में अच्छे शैक्षणिक वातावरण का अभाव है इसलिए युवाओं को पर्याप्त अवसर नहीं मिलते हैं। राज्य में जब से जद (यू) भाजपा गठबंधन बना है बिहार की हालत बद से बदतर होती गई है।

सचिन पायलट ने कहा, ''बिहार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)